हंसराज कॉलेज
— दिल्ली विश्वविद्यालय —

HANSRAJ COLLEGE
University Of Delhi
NAAC Grade A+ with CGPA 3.62

2021-2022

Name of the Department/Society: **हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय**
Name of the Event 1: ज्ञान केंद्रित समाज के निर्माण में नई शिक्षा नीति की भूमिका
Date of the Event: 27-08-2021

प्रभारी : डॉ. नीतू शर्मा

परामर्शदाता : डॉ. राजेश कुमार शर्मा

हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय द्वारा संचालित 27 अगस्त 2021 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय " ज्ञान केंद्रित समाज के निर्माण में नई शिक्षा नीति की भूमिका" था। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के तौर पर युवराज मालिक (निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास) तथा आशीष कांधवे (संपादक, गगनांचल) उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरंभ हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रमा के स्वागत वक्तव्य एवं अतिथियों के स्वागत सम्मान के साथ हुआ।

स्वागत सम्मान में अतिथियों को प्राचार्य प्रो. रमा ने एक पौधा भेंट करके सम्मान किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए युवराज मलिक कहते हैं- एनईपी-2020 वास्तव में सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए राष्ट्र निर्माण के प्रति भारत सरकार की कटिबद्धता को दर्शाता है। विद्यार्थी केंद्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में ऐसी ठोस व्यवस्था की गई है जिससे समानता, किफायती और सीखने के व्यापक अवसरों के आधार पर आजीवन सीखने वाले ज्ञान आधारित समाज का निर्माण करना संभव हो सकेगा। तथा उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को नए और ताजा विचारों से भरने में सक्षम होना चाहिए। संक्षेप में कहें तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 सहायक, देखभाल करने

Scanned with CamScanner

वाली व भरोसेमंद है। इसका उद्देश्य मानवता की भलाई और शैक्षणिक व नैतिक उत्कृष्टता के बीच संबंध विकसित करना है।

आशीष कांधवे कहते हैं – राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 राष्ट्रीय आकांक्षाओं को साकार करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। अगर एक साल के घुटनों पर चलने वाले बच्चे को भी सही संदर्भों और सही इरादे से युवा होने तक पोषण दिया जाए, तो इसमें निहित परिवर्तनकारी सुधार ऐसे भारत केंद्रित युवाओं को तैयार करेंगे जो प्राचीन शिक्षा प्रणाली की खोई हुई प्रतिष्ठा को दोबारा हासिल करने और भारत को विश्व गुरु के रूप में दोबारा स्थापित करने में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम का संचालन हंसराज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रभांशु ओझा ने किया। तथा इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग 150 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

Scanned with CamScanner